चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 16.2.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-6

कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक अनुसंधान और विस्तार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी : सहरावत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एवं दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केंद्रों की राज्यस्तरीय मध्यावधि योजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे।

एचएयू में हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केंद्रों की राज्यस्तरीय मध्यावधि योजना पर कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत। - अमर उजाला

डॉ. सहरावत ने उपस्थित केवीके संयोजकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक अनुसंधान और विस्तार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्हें अपना कार्य पूरी मेहनत व लगन से करना चाहिए, ताकि अनुसंधानों का लाभ किसानों को मिल सके और उसकी आमदनी में वृद्धि हो सके। इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने सभी संयोजकों और वरिष्ठ संयोजकों से आह्वान किया कि सभी वैज्ञानिक अपने कार्य क्षेत्र में विशेष रुचि के साथ कार्य करें, ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्देश्य को पूरा किया जा सके। कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान जोधपुर के निदेशक डॉ. एसके सिंह ने प्रतिभागी हरियाणा व दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए तैयार की गई कार्य योजना पर चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 16.2.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 3-6

कार्यक्रम एचएयू में कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय मध्यावधि योजना विषय पर हुई कार्यशाला

किसानों को अनुसंधान का लाभ मिलना जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय मध्यावधि योजना विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। एकदिवसीय कार्यशाला में अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक अनुसंधान और विस्तार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है।

अनुसंधानों का लाभ किसानों को मिलना चाहिए, ताकि उसकी आमदनी में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखकर एक मजबूत, प्रभावी एवं टिकाऊ योजना तैयार की जानी चाहिए। इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने कहा कि सभी वैज्ञानिक अपने कार्यक्षेत्र में विशेष रुचि के साथ कार्य करें। कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान जोधपुर के निदेशक डा. एसके सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए तैयार की गई कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की और तकनीकी विस्तार को वैज्ञानिक तरीकों से खेतों तक पहुंचाने पर बल दिया।

कार्यशाला को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत।

एचएयू एकमात्र विश्वविद्यालय जिसने बिक्री केंद्र बनाए

सहनिदेशक (किसान परामर्श सेवा) डा. अश्विनी कुमार ने मंच का संचालन किया। उन्होंने कहा कि एचएयू एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसके प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र पर किसानों को प्रमाणित बीज व अन्य उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए बिक्री केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान जोधपुर के निदेशक के सुझावों को अमल में लाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के डीन, डा. केएस ग्रेवाल, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन डा. आरके झोरड़, बेसिक साइंस के डीन, डा. राजबीर सिंह, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोधपुर के मुख्य वैज्ञानिक डा. एमएस मीणा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 16.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-5

एचएयू में कार्यशाला में जोधपुर से आए एक्सपर्ट बोले-

नई तकनीक किसानों तक पहुंचे तभी होगी फायदेमंद

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हरियाणा एवं दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्यस्तरीय मध्यावधि योजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। एचएयू के रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एसके सहरावत इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोधपुर के निदेशक डॉ. एसके सिंह ने प्रतिभागी हरियाणा व दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए तैयार की कार्य योजना साझा की।

उन्होंने कहा कि हम जो तकनीकी बना रहे हैं, उसे किसानों तक पहुंचना जरूरी है। सहनिदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. अश्विनी कुमार ने संचालन करते हुए कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोधपुर के निदेशक को उनके सुझावों को अमल में लाने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक, डॉ. आरएस हुड्डा, एग्रीकल्चर कॉलेज डीन, डॉ. केएस ग्रेवाल, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन डॉ. आरके झोरड़, बेसिक साइंस के डीन, डॉ. राजबीर सिंह, जोधपुर से मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. मीणा आदि उपस्थित रहे।

4 बड़े सुझाव जिन पर दिया जोर

1. कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक अनुसंधान और विस्तार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। अनुसंधानों का लाभ किसानों को मिल सके और आमदनी में वृद्धि हो सके, इस पर फोकस करना चाहिए।
2. किसानों के हितों को ध्यान में रखकर मजबूत, प्रभावी एवं टिकाऊ योजना बनानी चाहिए।
3. सरकार की योजनाएं पर कृषि विज्ञान केन्द्र सुनिश्चित करें कि इनका लाभ किसानों को मिल सके।
4. हम यह भी सुनिश्चित करें कि जो तकनीक डिवेलप करें वह किसानों तक भी पहुंचे।